KOLHAN UNIVERSITY

CHAIBASA, JHARKHAND

SYLLABUS

FOR

UNDERGRADUATE PROGRAMME

IN SANSKRIT

(As per NEP 2020 & CBCS Ordinance 14 A)

Head
Dept. of Sanskrit
Kolhan University, Chaibasa
Jamshedpur Workers' College, Jamshedpur

06.08.22

विभागाध्यक्ष
संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड

वर्ष–प्रथम

समसत्र–प्रथम (First Semester)

विषय –संस्कृत (स्नातक स्तर, मुख्य पाठ्यक्रम)

Paper- Major Paper-01, Code- MJ-01

Credit:6		Major Paper
Full. Marks : 25+75		Passing Marks: 40
Total No. of Lectures- Tutorials-Practical (in hours per week) L-T-P:6-0-0.		
Unit ईकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान–संख्या
	प्रथम–भाग(PART-1)	
I	क– संस्कृत वाङ्मय में पारम्परिक ज्ञान–विज्ञान एवं राष्ट्रगौरव (भारतीय दर्शन, गणित, ज्योतिष तथा वास्तु, योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संगीत का सामान्य परिचय) **ख–संस्कृत काव्य एवं व्याकरण का सामान्य परिचय** (प्रमुख कवि एवं वैयाकरण आचार्य–वाल्मीकि, वेदव्यास, कालिदास, भारवि, माघ, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि)	6 6
II	रघुवंशम्–**प्रथम** सर्ग (अनुवाद, व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	11
III	किरातार्जुनीयम्–**प्रथम** सर्ग (अनुवाद व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
IV	नीतिशतकम् (श्लोक **संख्या 1 से 25**) (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	10

	द्वितीय भाग(PART-2)	
V	**संज्ञा–प्रकरण** (लघुसिद्धांतकौमुदी)	12
VI	अच्सन्धि (सूत्र–व्याख्या एवं रूपसिद्धि)	12
VII	हल्सन्धि (सूत्र–व्याख्या एवं रूपसिद्धि	11
VIII	विसर्गसन्धि (सूत्र–व्याख्या एवं रूपसिद्धि)	10

प्रस्तावित सतत् – मूल्यांकन

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं उपस्थिति 10+5=15

अथवा

संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा

अथवा

माहेश्वर–सूत्र एवं प्रत्याहार–निर्माण एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु–उत्तरीय) 10 अंक

विभागाध्यक्ष
संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय

Head
Dept. of Sanskrit Jamshedpur
Workers' College
University, Chaibasa

संस्तुत ग्रन्थ–

- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली।
- किरातार्जुनीयम् महाकाव्य, श्री रामप्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद।
- रघुवंशम्, हिन्दी–संस्कृत टीका सहित आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मी', चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- रघुवंशम् (प्रथम सर्ग), व्याख्याकार–महावीर शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या0) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008।
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या0) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 2003।
- नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997।
- लघुसिद्धांतकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993।
- लघुसिद्धांतकौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन।
- लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ. उमेश चंद पांडे, चौखम्बा प्रकाशन।
- लघुसिद्धांतकौमुदी (संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण), डॉ वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ।
- लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ. सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, शक्तिनगर दिल्ली।
- रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

Head
Dept. of Sanskrit
Workers' College, Jamshedpur
University, Chaibasa